<u>**NEWS PAPER CUTTING**</u>

The Report of the Popular Lecture on **Life, Works and Philosophy of Srimanta Sankardeva,** organised by Assamese Department in collaboration with Sanskrit and Philosophy Department of B. N. College, Dhubri, Assam on 23.02.2021, published in the **Hindi News Paper- PURVANCHAL PRAHARI on 25.02.2021**

<u>**A SNAP SHOT OF THE PAPER CUTTING:**</u>

तकनीकी कारणों से पूर्वांचल प्रहरी के विज्ञापन विभाग के Mail ID : glpghy2009@hotmail.com बंद कर दिया गया है। अब से विज्ञापन advtglp2020@gmail.com पर भेजने का आग्रह है। - विज्ञापन प्रबंधक

पूर्वोत्तर भारत का प्रथम हिंदी दैनिक

पूर्वांचल प्रहरी

गुवाहाटी और जोरहाट से प्रकाशित

Ensure your copy of THE NORTH EAST TIMES The Premier English Daily

www.pp.glpublications.in 32 बृहस्पतिवार 25 फरवरी 2021

गुवाहाटी Postal Reg. No. GH-139/3000028086/2019-2021 रजि. नं. 40914/89, वर्ष-32, अंक-279 मूल्य : ₹ 10.00 पृष्ठ:12

धुबड़ी : 'महापुरुष शंकरदेव के जीवन, साहित्य व दर्शन' विषय पर संभाषण प्रतियोगिता आयोजित

धुबड़ी: भोलानाथ कॉलेज में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन साहित्य व दर्शन विषय पर गत दिनों विशेष संभाषण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कॉलेज के असमिया विभाग के तत्वावधान तथा दर्शन व सांस्कृतिक विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत विभाग की प्रमुख अध्यापक डॉ. मौसमी भट्टाचार्य ने संस्कृत में मंगलाचरण के साथ किया। असमिया विभाग के प्रमुख डॉ. उपेंद्रजीत शर्मा ने कार्यक्रम की उद्देश्य व्याख्या में कहा कि बहुगुण संपन्न महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के विषय में अध्ययन, जानना अत्यंत जरूरी है। शंकरदेव को जाने बिना हमारा ज्ञान, दर्शन कभी परिपूर्ण नहीं हो सकता। वहीं बिजनी कॉलेज के अवकाशप्राप्त उपाध्यक्ष गवेषक व साहित्यकार डॉ. प्रमथेश बायन ने शंकरदेव के जीवन, साहित्य व दर्शन पर वक्तव्य रखा। उन्होंने शंकरदेव के धर्मीय दर्शन, मानवतावाद, असमिया जाति गठन की प्रक्रिया आदि विषयों पर सविस्तार बताया। विशिष्ट अतिथि व असमिया विभाग के अवकाशप्राप्त अध्यापक डॉ. द्वीपेंद्र कुमार अधिकारी ने भी सभा को संबोधित किया। दर्शन विभाग की अध्यापक रीता बोरा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान कॉलेज की डॉ. अलका शर्मा, डॉ. करुणा कांत दास, डॉ. पोली बेजबरुवा, साईफुल हसन, नवनिता देवी, नमिता पामेगम, काकोली बेजबरुवा, डॉ. चंद्रशेखर उपाध्याय समेत तमाम अध्यापक अध्यापिका, दो सौ से अधिक छात्र छात्राएं उपस्थित थे। जातीय संगीत से कार्यक्रम का समापन हुआ। (निसं)